ॐ

# पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

## एक विहंगावलोकन


न्यासी मंडल

**डॉ. राकेश मिश्र** (अध्यक्ष)

**श्रीमती आशा रावत** (सचिव)

**श्रीमती मालती मिश्रा** (न्यासी)

**श्रीमती रेखा अवस्थी** (कोषाध्यक्ष)



प्रकाशक

**पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास**

'नेह निकुंज' बम्हनगंवा, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)

'नीलकंठ धाम' ग्राम-धवर्रा (नौगाँव), जिला-महोबा-471201 (उ.प्र.)

इ-मेल : gpmsnyas@gmail.com • फोन : 9868164888

# प्राक्कथन

पूज्य माताजी की प्रेरणा से उदय हुए पुष्प को एक वर्ष पूर्ण होने को आया है। 'पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास' अपने शैशवकाल में ही है। कार्य तो छोटा ही सोचा था, मगर माँ के गोलोकगमन के उपरांत इसे विशेष पंख लग गए। 15 अप्रैल, 2017 को माताजी श्रीमती शांति मिश्रा का अचानक काल कवलित हो जाना शायद इसे गति दे गया। मुझे विश्वास ही नहीं होता कि अचानक हमारे गाँव में यह क्या हो गया! गत एक वर्ष पूर्व मुझे माताजी के स्वर्गवास का समाचार भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की भुवनेश्वर में हो रही बैठक में मिला। वहाँ पर उपस्थित देश के शीर्ष नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की नवगठित भारतीय जनता पार्टी की सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व डॉ. दिनेश शर्मा ने इस समाचार से जो किया, उसने गाँव की दिशा को बदलकर रख दिया। माताजी का शरीर एंबुलेंस से दिल्ली से धवर्रा पहुँचा, हम भुवनेश्वर से दिल्ली के रास्ते 16 अप्रैल सवेरे गाँव पहुँचे। प्रात:काल की पौ फटते ही पूरा गाँव माँ के अंतिम संस्कार के लिए नीलकंठ धाम पर एकत्रित था। सबने नम आँखों से माँ को विदाई दी। संवेदना हेतु धवर्रा में लोगों का आना-जाना शुरू हो चुका था। उ.प्र. के अंतिम छोर पर स्थित विकास से कोसों दूर यह गाँव चारों ओर म.प्र. से घिरा है। तत्कालीन जिलाधिकारी श्री अजय कुमार सिंह (आई.ए.एस.) ने पूर्ण योजना बनाते हुए गाँव में सड़क, बिजली, पानी और ऊर्जा की हाईमास्क लाइटें लगाने जैसे कार्यों को गति प्रदान की। कभी वॉल्टेज न रहनेवाले गाँव में थ्री फेस कनेक्शन हो गया। 24 घंटे में 72 पोल लगाकर स्थायी विद्युतीकरण हो गया। सड़कों की मरम्मत हो गई, 12 अतिरिक्त हैंडपंप लग गए। सफाईकर्मी नियुक्त हो गए। जिधर देखो, उधर सरकारी तंत्र अपने-अपने कार्य में लग गया।

उपप्रधान रहते हुए माताजी अनेक कार्य करा गई थीं। पूज्य पिताजी सरपंच रहते हुए विवादमुक्त गाँव बनाने की दिशा में प्रयत्नशील रहे। 26 अप्रैल, 2017 आते-आते हजारों लोगों ने पहुँचकर हमारे परिवार को सांत्वना प्रदान की। गाँव के विकास हेतु अपने-अपने विभाग से एक नहीं, अनेक सौगातें देते-देते आज यह एक आदर्श गाँव की ओर बढ़ चला।

न्यास के प्रयत्नों द्वारा 'नर सेवा—नारायण सेवा' को चरितार्थ करते हुए एक वर्ष में पाँच स्वास्थ्य शिविरों में हजारों का कल्याण, अंत्योदय मेला, 33/11 के.वी. का विद्युत् स्टेशन (5.36 करोड़), सुलभ जनसुविधा केंद्र का निर्माण (40 लाख),

धौर्रा गौरैया माता की पक्की सड़क का निर्माण (28 लाख), पेयजल हेतु हैंडपंप, टूटी पड़ी बंधिया का निर्माण, सड़क का निर्माण, नौ गाँवों को जोड़नेवाली 11.5 किमी. लंबी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, धवर्रा मंदिर से जगतपुर गड़िया तक 3.44 कि.मी. लंबी सड़क का पक्का निर्माण कार्य, केंद्रीय जल निगम द्वारा पेयजल हेतु वृहद् नल जल योजना, ग्रामीण सौर ऊर्जा से 10 बड़ी स्ट्रीट लाइटें, पेयजल हेतु 10 हैंडपंपों पर मशीन लगाकर साफ पानी की 200 लीटर की टंकियाँ स्थापित कराना, बंद राशन की दुकान का पुनः चालू होना, गाँव में खाद-बीज की उपलब्धता, वृक्षारोपण, धवर्रा से राजधानी लखनऊ को जोड़नेवाली सड़क परिवहन निगम की दैनिक बस सेवा जैसे छोटे-छोटे, किंतु महत्त्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो चुके हैं या पूर्णता के निकट हैं।

कोई भी कार्य अकेले नहीं हो सकता, उसमें जन-सहभागिता सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। जहाँ गाँव के नौजवानों की टोली ने प्रत्येक कार्य में अतुलनीय योगदान किया, वहीं शासकीय टीम पूरे मनोयोग से लगकर आज भी नए-नए विषय सोच रही है। वर्तमान जिलाधिकारी श्री सहदेव (आई.ए.एस.) ने गाँव में चौपाल लगाकर, मौके पर जिले के अधिकारियों को भेजकर गाँववासियों की समस्याओं का समाधान किया। गाँव में एक गौशाला, श्मशान-गृह व हर गरीब को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का भवन देने तथा पेयजल के स्थायी समाधान की ओर उनका निरंतर ध्यान है।

सभी कार्यों में सहयोग हेतु मेरे दिल्ली के साथियों-मित्रों का आभार शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन हो जाएगा।

सभी साथी सदैव उत्साहवर्द्धन करते हुए हर कदम पर साथ में खड़े हैं। कुछ नामों की चर्चा करने से बाकी के साथ अन्याय होगा, अतः ज्ञात-अज्ञात सबका कृतज्ञ हूँ।

न्यास को भरपूर आशीर्वाद स्वरूप डॉ. विन्देश्वर पाठकजी (संस्थापक, सुलभ-स्वच्छता एवं सामाजिक सुधार-आंदोलन) ने गाँव में इतना भव्य 'इज्जत घर' बनाकर सदैव के लिए अपनी पहचान इस दूरस्थ गाँव में छोड़ दी है। उनकी पूरी टीम ने भोपाल से यहाँ आकर छह माह में यह निर्माण कर जनता का हित किया है, जिसके लिए गाँव की जनता उनकी आभारी है।

अंत में इस कार्य में प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से सहयोगी जनों का कृतज्ञ हूँ। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि यह न्यास 'दीन-दुखियों' के काम आता रहे, यह शक्ति व विश्वास बना रहे, यही निवेदन!

**—डॉ. राकेश मिश्र**

# अनुक्रम


1. पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का गठन व संक्षेपिका 7
2. प्रेरणापुंज स्व. गणेश प्रसादजी—एक तपस्वी जीवन 9
3. ममतामयी स्व. शांति मिश्रा का शांति प्रवाह 12
4. अल्प यात्रा 'वर्ष एक-कार्य अनेक' 15
5. आगामी संकल्प 45
6. बुंदेलखंड में नौगाँव छावनी व धवर्रा का इतिहास 46
7. बुंदेलखंड की रियासतें एवं नौगाँव 50
8. झलकियाँ 54

# पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का गठन व संक्षेपिका

स्व. श्री गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की धर्मपत्नी श्रीमती शांति मिश्रा ने दद्दाजी का समाज के प्रति सेवा भाव, कर्म प्रधानता एवं 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' जैसे विचारों को जीवंत रखने हेतु 'पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास' गठन करने की प्रेरणा प्रदान की। अतः उनके मार्गदर्शन में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को मूर्त रूप प्रदान किया गया। इसका विधिवत् गठन मध्य प्रदेश के गजट में प्रकाशित होने के पश्चात् सतना (म.प्र.) में इसका विधिवत् पंजीयन क्रमांक 24 दिनांक 17 मार्च, 2017 को किया गया।

डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष एवं श्रीमती आशा रावत इस न्यास की सचिव नियुक्त की गईं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' को सार्थक बनाना है। यह सेवा न्यास लोगों को सभी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, भौतिक व धार्मिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

**सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया,**
**सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःख भाग्भवेत्।**
**ॐ शांतिः शांतिः शांतिः॥**

प्रायः गरीब एवं सुदूर इलाके में स्थित लोगों के लिए गंभीर बीमारियों का इलाज करा पाना संभव नहीं होता, जिससे कई बार इसे असाध्य एवं परमात्मा का प्रकोप मान लिया जाता है और लोग कई तरह के अंधविश्वासों की चपेट में भी आ जाते हैं। अतः सेवा न्यास गरीब लोगों के क्षेत्रों में जाकर स्वास्थ्य शिविरों द्वारा उन्हें उन्नत तकनीकी की हर संभव मदद प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। इसमें गरीब लोगों को मुफ्त उपचार, दवाइयाँ, ऑपरेशन व आवागमन की सुविधा भी प्रदान की जाती है। अनेक मरीजों को देश के प्रमुख अस्पतालों, जैसे एम्स दिल्ली, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट, इबहास अस्पताल, पी.जी.आई. लखनऊ व चंडीगढ़, टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट मुंबई का यथासंभव सहयोग रहता है।

सेवा न्यास ग्राम्य विकास संबंधी, जैसे पेयजल, विद्युतीकरण, सार्वजनिक शौचालय, सड़क एवं नालियों हेतु निर्माण–कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं और सफाई आदि में भी विशेष सहयोग प्रदान करता है।

सेवा न्यास कृषकों की आर्थिक उन्नति, उन्नत वैज्ञानिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके लाभ हेतु सरकारों से पहल करके विभिन्न प्रकार के विभागों की प्रदर्शनी का आयोजन और संचालन हेतु सहयोग प्रदान करता है।

सेवा न्यास सांस्कृतिक क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में पुस्तकें, कॉपी, पेन, पेंसिल, ड्रेस, बस्ते, ट्रॉफी, क्रीड़ा उपकरण आदि वितरण के साथ–साथ लोगों में राष्ट्रप्रेम, स्वदेशी एवं समरसता का भाव भी जाग्रत् करता है। मेधावी एवं विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप नगद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र भी प्रदान करता है। समाज के विकास हेतु सेवा न्यास विभिन्न प्रकार की विचार गोष्ठियाँ भी आयोजित करता है।

सेवा न्यास आध्यात्मिक विकास हेतु धार्मिक क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन, संगीतमय भागवत–रामायण कथा, भजन–कीर्तन, सत्संग, पूजा–पाठ, गौ–सेवा, भोजन, भंडारों के साथ–साथ धार्मिक पुस्तक वितरण जैसे कार्यों को करते हुए सनातन धर्म के उत्थान, सत्कर्म हेतु प्रेरित कर संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार–प्रसार करता है।

# प्रेरणापुंज स्व. गणेश प्रसादजी
# एक तपस्वी जीवन

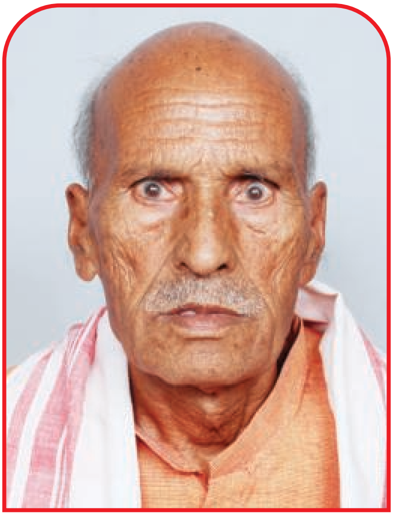

**जन्मतिथि :** 18.07.1924 (श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया विक्रम संवत् 1981)

**स्मृतिशेष :** 01.11.2016 (कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया विक्रम संवत् 2073)

नौगाँव नगर के निकट ग्राम धवर्रा निवासी पं. गणेश प्रसाद मिश्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम पीढ़ी के कार्यकर्ता रहे। उनके चार पुत्रियाँ व एक पुत्र हैं। पोस्ट मास्टर से जीवन के कॅरियर की शुरुआत कर झाँसी में संघ प्रचारक बने। सन् 1948 में गांधी हत्या के आरोप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध के समय छह माह का कारावास हुआ। आपातकाल में भूमिगत रहकर 18 माह सक्रिय रहकर कार्य किया। हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत के प्रकांड विद्वान् पं. गणेश प्रसाद मिश्र एक मृदुभाषी, अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे। उन्होंने कृषि कार्य में रुचि रखते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में 'वैद्य' की उपाधि प्राप्त की। पुराने लोग उन्हें आज भी 'बड़े डॉक्टर साहब' के नाम से जानते हैं। 'दद्दाजी' के नाम से सुविख्यात वे तृतीय वर्ष शिक्षित होकर आजीवन संघ के सक्रिय स्वयंसेवक रहे। शिक्षक के नाते अनेक संघ शिक्षा वर्गों में एक-एक माह शिक्षक बनकर जाते रहे। शिक्षादान जैसे कार्य में उनकी विशेष रुचि होने से उन्होंने गणित,

अंग्रेजी, संस्कृत के विषय में बी.ए., एम.ए. के अनेक छात्र–छात्राओं को सदैव ज्ञानोपार्जन कराया। सरस्वती शिशु मंदिर नौगाँव में आचार्य से लेखापाल तक उनका शानदार प्रदर्शन रहा। वे आजीवन गौसेवा में रत रहे। अपने अंतिम समय में पाँच गायों की सेवा–शुश्रूषा ही उनका मुख्य कार्य हो गया था। संभाग में जब कोई प्राइवेट आई.टी.आई. नहीं थी, तो उन्होंने कंपनी बाग ईसानगर रोड नौगाँव में आई.टी.आई. प्रारंभ की, जो उत्तरोत्तर उन्नति करती गई। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि का ही परिणाम था कि चारों पुत्रियों को मास्टर डिग्री तथा बी.एड. तक शिक्षित कराया। वहीं एक पुत्री व पुत्र को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी कराई। सभी पुत्रियाँ भी शिक्षकीय कार्य में हैं। वहीं पुत्र संघ के प्रचारकों की श्रेणी में आकर अ.भा. विद्यार्थी परिषद् के प्रांत अध्यक्ष, प्रांत प्रमुख व प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत के दायित्वों का निर्वहण करता रहा है। डॉ. राकेश मिश्र आज भी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाहजी के कार्यकारी सचिव के रूप में दिल्ली में कार्यरत हैं।

श्री मिश्रजी ने अयोध्या आंदोलन में, 1990 की कार सेवा में बढ़–चढ़कर भाग लिया। 1992 में विवादित ढाँचा विध्वंस में छतरपुर जिले के दो कार सेवकों में से वे एक थे, जो वहाँ पहुँच सके। 1990 की कश्मीर की 'एकता यात्रा' में डॉ. मुरली मनोहर जोशीजी के नेतृत्व में यात्रा के समापन में लाल चौक पर तिरंगा ध्वज फहराने के लिए गए। भारत भ्रमण व संस्कृति परिचय में उनकी गहन रुचि रही। लेह–लद्दाख में सिंधुदर्शन यात्रा रही हो या अमरनाथ की यात्रा, वे हर जगह सपत्नीक सहभागी रहे। अरुणाचल प्रदेश का परशुराम कुंड हो या कन्याकुमारी में धनुषकोटि तथा गंगोत्तरी में गौमुख तक की दुर्गम यात्रा या गंगासागर का पवित्र जल, सभी दुर्गम स्थानों पर आम पर्यटक की तरह उन्होंने यात्राएँ कीं। अपने अनुभवों का लेखन साझा किया। साधनों की शुचिता व नैतिकता के पक्षधर श्री मिश्र ध्येय के प्रति समर्पित, दृढ निश्चयी व कठोर परिश्रमी रहे। जब लोग त्योहारों में प्रसन्नता मनाते, वे अपने कार्य में मौन रूप से लगे रहकर दीन–दु:खियों के साथ सेवा में लगे रहते थे।

93 वर्ष की आयु में वे पूर्ण स्वस्थ थे। 16 अप्रैल, 2016 को अचानक हुए मस्तिष्क आघात में वे कोमा में चले गए। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय

आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) व डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में तीन माह तक गहन चिकित्सा हुई। न्यूरो वैज्ञानिकों के लिए इतनी उम्र का यह पहला केस था, जिसमें रोगी इतनी तीव्र गति से ठीक होकर पुनः नौगाँव अपने घर पर ही विश्राम करने लगा। डॉक्टरों का मत था कि इनकी गौसेवा, खानपान, दिनचर्या से ही इनका जीवन प्रेरणादायी है। 1 नवंबर, 2016 को प्रातः 6.30 बजे वे इस लोक से मुक्ति पाकर गोलोक धाम को प्रस्थान कर गए। अंतिम संस्कार में देश-विदेश की महान् हस्तियों के शोक संदेश प्राप्त हुए। संपूर्ण जिले के प्रमुख व्यक्तियों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली से लेकर गाँव तक शोक की लहर दौड़ गई।

ऐसे महान् प्रेरक व्यक्तित्व को प्रणाम और विनम्र श्रद्धांजलि!

# ममतामयी स्व. शांति मिश्रा
## का शांति प्रवाह

**पति : स्व. श्री गणेश प्रसाद मिश्र ( दद्दाजी )**

**जन्मतिथि :** 02.08.1927

**स्मृतिशेष :** 15.04.2017

ममता की मूर्ति, करुणामयी, सौम्य, मृदुभाषी एवं शांत, यथानाम तथागुण माँ 'शांति देवी' ने हमेशा कर्तव्यों के प्रति सचेत रहते हुए अपने नाम को चरितार्थ किया। 2 अगस्त, 1927 को सिंगरावन कलाँ (मायका) में पुराने जमींदार की बेटी के रूप में जन्म लेकर बड़े ही लाड़-प्यार में पली थीं। मात्र तेरह वर्ष की उम्र में विवाह-बंधन में बँधकर एक अत्यंत सामान्य परिवेश में आ गईं और उनकी परीक्षाओं का दौर प्रारंभ हो गया।

पति स्व. श्री गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में रचे-बसे, घर-बार छोड़कर देशसेवा हेतु चले जाने के पश्चात् पति पारायण होकर दोनों कुलों की मर्यादाओं का निर्वहन बड़ी दृढता के साथ किया। पाक कला में निपुणता, ससुराल की अकेली बहू द्वारा सभी का मान-सम्मान आदि दायित्वों का निर्वहन करते हुए वे ससुराल में अपनी बड़ी ननद (स्व. इंद्रा बाई), जो माँ तुल्य थीं, की प्रिय बन गईं।

सन् 1948 में पति झाँसी में पोस्ट मास्टर की सेवा से त्याग-पत्र देकर संघ-कार्य में प्रचारक हो गए। गांधीजी की हत्या के समय पति के छह माह जेल में रहने पर उन्होंने बड़े साहस के साथ अपने वृद्ध सास-ससुर एवं ननद का सहयोग किया। वे बड़ी धर्मपरायण, कर्तव्यनिष्ठ, मृदुभाषी एवं स्पष्ट बोलने वाली थीं। संपूर्ण परिवार को एक सूत्र में बाँधने की कला में निपुण थीं, जिससे हर व्यक्ति अपने आपको उनसे जुड़ा हुआ पाता था।

विवाह के लगभग 10–12 वर्ष की कठिन परिस्थितियों के पश्चात् उन्होंने क्रमशः चार पुत्रियों (आशा, मालती, रेखा व डॉ. रचना) तथा एक पुत्र (डॉ. राकेश) को जन्म दिया। उन परिस्थितियों में भी उन्होंने पति व ननद के सहयोग से पुत्रियों को बेटों जैसा लालन–पालन व शिक्षा–दीक्षा प्रदान की। अपने पुत्र–पुत्रियों में भेद न करते हुए उन्होंने सभी का समान लालन–पालन कर उन्हें संस्कारों का धनी बनाया, जिसकी वजह से आज उनकी जीवन–बगिया हरी–भरी और खुशहाल है।

धर्म में उनकी गहन रुचि थी। प्रत्येक तीज–त्योहार को व्यवस्थित एवं पूरे मनोयोग से मनाती थीं। सोते समय 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का पाठ जरूर करती थीं। लोक–कथाओं का उनके पास अथाह भंडार था, जिसका वे समय व परिस्थिति को देखते हुए उपयोग करके बच्चों का मनोरंजन एवं उत्साहवर्धन कर उनका ज्ञानवर्धन भी करती थीं। शिक्षा के प्रति गहन रुचि होने के कारण उन्होंने पति (दद्दाजी) के सहयोग से अपने आपको पढ़ने–लिखने में पूर्ण रूपेण दक्ष कर लिया। पुस्तकें व दैनिक समाचार–पत्र उनकी नियमित दिनचर्या के भाग थे।

उनमें नेतृत्व के भी गुण थे। धवर्रा गाँव में वार्ड मेंबर का चुनाव वे हमेशा निर्विरोध जीतीं और उप–प्रधान के पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्यों को भी बखूबी निभाया।

पग–पग पर उन्होंने अपने पति का साथ दिया। आपातकाल के दौरान अठारह महीने तक जब दद्दाजी भूमिगत रहे, तब उन्होंने माँ एवं पिता की भूमिका बखूबी निभाई और दद्दाजी के देशहित के कार्यों में पूर्ण सहयोग दिया।

भारत–भ्रमण एवं संस्कृति–परिचय में भी उनकी गहन रुचि रही। दद्दाजी के साथ चारों धाम की तीर्थयात्रा, लेह–लद्दाख में सिंधुदर्शन, अमरनाथ एवं गौमुख जैसी दुर्गम यात्राओं में भी सहभागी रहीं। जटाशंकर धाम एवं अबार माता के दर्शन उनके जीवन का महत्त्वपूर्ण पड़ाव था।

गौसेवा के प्रति उनका विशेष रुझान था। जब भी समय मिलता, वे गौसेवा में लग जाती थीं।

स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति सदैव सतर्क रहतीं एवं अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखती थीं। उनके इस व्यवस्थित जीवन के कारण उनकी स्मृति तीक्ष्ण थी एवं दाँत मजबूत थे। वे बिना चश्मे के लिख-पढ़ लेती थीं। छोटी-मोटी घरेलू दवाइयाँ व नुस्खे उन्हें खूब आते थे। गाँव में वे अनेक महिलाओं व बच्चों की देशी दवाई भी कर देती थीं। इसलिए लोग 'बाई का बटुआ' पूछते रहते थे।

90 वर्ष की आयु में 15 अप्रैल, 2017 को दिल्ली में अपने पुत्र डॉ. राकेश मिश्र के निवास पर अचानक हृदयाघात के कारण उन्हें डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में ले जाया गया। पुत्रवधू प्रमिला एवं संकल्प (पोते) ने वरिष्ठ चिकित्सकों से उचित चिकित्सीय परामर्श किया; किंतु विधि की नियति के अनुसार वे स्वर्गवासी हो गईं। पूरे परिवार में अचानक हुई इस दुःखद घटना से शोक की लहर दौड़ गई।

उस समय उनके पुत्र डॉ. राकेश मिश्र भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, भुवनेश्वर (उड़ीसा) में थे। यह खबर मिलते ही वहाँ श्रीमती शांति मिश्रा के लिए शोक सभा एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अंतिम संस्कार में देश-विदेश के कई महान् व्यक्तियों के शोक संदेश प्राप्त हुए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रमुख व्यक्तियों, राजनेताओं एवं अधिकारियों ने स्वयं अंतिम संस्कार में उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

माँ, दादी, परदादी, नानी एवं परनानी सभी रिश्तों को प्रेरणा प्रदान करने वाली महान् व्यक्तित्व की धनी स्व. शांति मिश्रा को शत-शत नमन एवं वंदन!

**॥ विनम्र श्रद्धांजलि ॥**

# अल्प यात्रा 'वर्ष एक-कार्य अनेक'

**कार्यक्रम : स्वास्थ्य परीक्षण शिविर**
**दिनांक : 30.03.2017 ( शुक्रवार )**
**कार्यक्रम स्थल : श्री गणेश ( निजी ) आई.टी.आई. परिसर,**
**कंपनी बाग, ईसानगर रोड, नौगाँव, जिला छतरपुर ( म.प्र. )**

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के गठन के उपरांत प्रथम स्वास्थ्य शिविर श्री गणेश (निजी) आई.टी.आई परिसर नौगाँव में आयोजित किया गया। दिनांक 30.03.2017 को ट्रस्ट की मार्गदर्शक श्रीमती शांति मिश्रा के सान्निध्य में बिजावर विधायक श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ, जिसमें 310 मरीजों की शुगर एवं बी.पी. की जाँच की गई। मरीजों को स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई। खान-पान, हाथ धोकर साफ रहना तथा नाखून व बाल समय पर कटवाने की जानकारी स्थानीय मिश्रा नर्सिंग होम के संचालक डॉ. रवि मिश्र ने दी। संस्था के शुभारंभ पर अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि आज यह प्रथम शिविर पुष्प है, जिसमें ब्लडप्रेशर व शुगर की जाँच हुई। भविष्य में इसमें बड़े शिविर नियमित रूप से आयोजित होंगे। संस्था की सचिव श्रीमती आशा रावत ने पूज्य दद्दाजी के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए नगर में अनेक हितकारी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। संस्था के प्राचार्य श्री धनीराम पाठक ने सभी डॉक्टर, स्टाफ, अतिथियों व आगंतुकों का आभार प्रकट किया। इस समारोह में शहर के गण्यमान्य नागरिक, शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी व मरीजों ने हिस्सा लिया।

*स्वास्थ्य जाँच कराते मरीज*

**कार्यक्रम : मल्टी-स्पेशियलिटी हैल्थ चेक-अप कैंप**
**द्वारा : दि मेदांता मेडिसिटी, नई दिल्ली**
**दिनांक : 26-27 अगस्त, 2017 ( शनिवार-रविवार )**
**कार्यक्रम स्थल : सरस्वती शिशु मंदिर, नौगाँव ( म.प्र. )**

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा दो दिवसीय (26 एवं 27 अगस्त, 2017) मेगा हैल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया गया। गुड़गाँव स्थित दि मेदांता सिटी के सौजन्य से दो दिवसीय शिविर में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, आंकोलॉजी के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 2400 मरीजों की जाँच की। बड़े भव्य आयोजन में मिनी अस्पताल के रूप में मेदांता अस्पताल दिल्ली से आई हुई बस ने अस्पताल का रूप ले लिया। प्रातः 9:00 बजे उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि श्री मानवेंद्र सिंह, विधायक महाराजपुर; विधायक बिजावर श्री पुष्पेंद्रनाथ पाठक, विधायक बड़ामलहरा श्रीमती रेखा यादव, विधायक महोबा श्री राकेश गोस्वामीजी रहे। छतरपुर जिले के कलेक्टर श्री रमेश भंडारीजी एवं पुलिस अधीक्षक श्री विनीत खन्ना ने उद्घाटन समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई व डॉक्टरों से शिविर की जानकारी ली। गुड़गाँव में मेदांता अस्पताल की टीम से परिचय करके आश्वासन दिया कि सभी मरीजों की ठीक से जाँच हो एवं गंभीर बीमारी वालों को मध्य प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से दो लाख रुपए की त्वरित सहायता देकर सीधे गुडगाँव में दिल्ली इलाज हेतु भेजा जाए। छतरपुर जिला के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वी.के. तिवारी व उनकी दस डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की प्रारंभिक चिकित्सीय जाँच पूर्ण की। जिला मेडिकल बोर्ड ने मरीजों की दिव्यांगता की जाँच करके जाँच प्रमाण-पत्र दिए। यह एक अनूठा कार्य है कि मरीजों को एक ही स्थान पर सभी लाभ मिल गए। सरस्वती शिशु मंदिर पूज्य दद्दाजी की कार्यस्थली रहा है। विद्यालय के आचार्य व भैया-बहनों ने अथक परिश्रम करके दो दिनों में पंजीयन करने से लेकर मरीजों को निश्चित कक्षों तक पहुँचाया। उनके लिए चाय, पानी, फल व भोजन के प्रबंधन में सहयोग दिया। विद्यालय प्राचार्य श्री धीरेंद्र श्रीवास्तव, व्यवस्थापक डॉ. प्रदीप

अग्रवाल, श्री आलोक जायसवाल सहित न्यास के पदाधिकारियों ने इसमें भाग लिया। समापन अवसर पर महोबा (उत्तर प्रदेश) के जिलाधिकारी श्री अजय कुमार सिंह ने शिविर की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने न्यास को भरपूर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। शिविर में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने 150 छात्रों को प्रमाण-पत्र व कॉपी, छाता, थर्मामीटर, च्यवनप्राश-डिब्बा, चप्पलें, टी-शर्ट, समाधान दर्द की बाम तथा त्रिफला चूर्ण के डिब्बे भेंटस्वरूप दिए।

दो दिवसीय शिविर में 2400 मरीजों की जाँच की गई, जिसमें एक्स-रे 150, शुगर जाँच 1217, ईसीजी 460, मेमोग्राफी 73, ब्लडप्रेशर 950 मरीजों की जाँच करके निःशुल्क दवाई, च्यवनप्राश, थर्मामीटर, कॉपी, टी-शर्ट, चूर्ण व बाम का वितरण जनसहयोग से किया गया। संस्था की सचिव श्रीमती आशा रावत ने सबका आभार व्यक्त किया। न्यास के द्वारा नौगाँव शहर के वरिष्ठ समाज-सेवियों को शॉल, श्रीफल व अन्य सामग्री की किट देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के समक्ष संस्था के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि प्रतिवर्ष कक्षा आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं के छात्र/छात्राओं में प्रथम स्थान प्राप्त करनेवालों को कुल नगद राशि 15000 रुपए दी जाएगी। सभी ने हर्षोल्लास से इस निर्णय का स्वागत किया।

इस हेल्थ चेकअप कैंप में दो दिनों में निकटवर्ती बारह जिलों (सतना, रीवा, पन्ना, कटनी, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, हमीरपुर बाँदा, महोबा, झाँसी) से 2400 मरीज व इतने ही उनके परिजनों ने भाग लिया। मेदांता प्रबंधन द्वारा न्यास से यह अनुबंध किया गया कि इस संस्था द्वारा दिल्ली में उपचार हेतु जो मरीज अनुमोदित पत्र लेकर आएँगे, उन्हें इलाज में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

*मेदांता के चलित चिकित्सालय में जाँच कराती महिलाएँ*

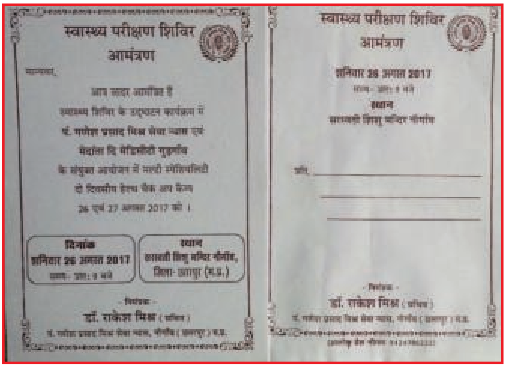

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
आमंत्रण

26 एवं 27 अगस्त 2017 को।

दिनांक
शनिवार 26 अगस्त 2017

स्थान

डॉ. राकेश मिश्र

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
आमंत्रण

शनिवार 26 अगस्त 2017

स्थान

डॉ. राकेश मिश्र

*आमंत्रण-पत्र*

मेदांता - दी मेडिसिटी

पं० गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

मल्टी-स्पेशियलिटी हैल्थ चैक-अप कैंप

सुविधायें

*सूचना पत्रक*

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
एवं
मेदांता - दी मेडिसिटी

मल्टी-स्पेश्यिलिटी हैल्थ चैक-अप कैंप

26-27 अगस्त, 2017

को सफल बनाने में
अपूर्व उत्साह के साथ अपना योगदान देने वाले
कर्मठ कार्यकर्ता

को सम्मानस्वरूप यह प्रशस्ति-पत्र प्रदत्त।

( डॉ. राकेश मिश्र )
अध्यक्ष

( श्रीमती आशा रावत )
सचिव

श्री गणेश (निजी) आई.टी.आई., कंपनी बाग, ईसानगर रोड, नौगाँव, जिला-छतरपुर (मध्य प्रदेश)

*कार्यकर्ताओं को प्रदत्त प्रमाण-पत्र*

*मंचासीन अतिथि गण*

*उद्घाटन समारोह में उपस्थित महानुभाव एवं चिकित्सकगण*

*डॉ. वीरेंद्र कुमार (केंद्रीय राज्यमंत्री), श्री मानवेंद्र सिंह (विधायक-महाराजपुर), श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक (विधायक-बिजावर) उद्घाटन समारोह में उपस्थित महानुभाव गणों को सामग्री व स्मृति चिह्न देते अध्यक्ष जी*

*न्यास की पदाधिकारी श्रीमती आशा रावत, रेखा अवस्थी एवं डॉ. रचना मिश्रा चिकित्सकों को सामग्री व स्मृति-चिह्न प्रदान करते हुए*

*अपनी स्वास्थ्य जाँच कराते मरीज*

*मरीज का गहन परीक्षण करते चिकित्सक गण*

**कार्यक्रम : पुस्तकें, कॉपी, पेन एवं पेंसिल-सेट का वितरण समारोह**
**दिनांक : 07.09.2017 ( गुरुवार )**
**कार्यक्रम स्थल : 1. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धवर्रा ( नौगाँव )**
**2. राजकीय प्राथमिक विद्यालय, धवर्रा ( नौगाँव )**
**जिला-महोबा ( उ.प्र. )**

पूज्य स्व. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा के प्रथम श्राद्ध के अवसर पर पुस्तिका, पेन व पेंसिल-सेट का वितरण किया गया। पूज्य दद्दाजी शिक्षा क्षेत्र में जाने-माने यशस्वी विद्वान् व्यक्ति थे। बच्चों पर उनका विशेष स्नेह था। वे पच्चीस वर्षों तक खमा न्याय पंचायत के सरपंच रहे। इस विद्यालय में उनके बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसलिए उनकी श्राद्ध तिथि के अवसर पर सभी छात्र/छात्राओं को कॉपी, पेन, पेंसिल-सेटों का वितरण किया गया। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने अपने उद्गार व्यक्त किए। कार्यक्रम में दो विद्यालयों के 400 बच्चों को सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आलोक जायसवाल (इंजीनियर) एवं श्री सूरज देव मिश्र (अधिवक्ता) रहे। जबकि बड़ी संख्या में ग्रामवासी, शिक्षक, प्रधान व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यहाँ पर न्यास के अध्यक्ष ने घोषणा की कि प्रतिवर्ष पाँचवीं व आठवीं में प्रथम आनेवाले छात्र/छात्राओं को नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे। हर वर्ष इसी प्रकार कार्यक्रम किया जाएगा।

*प्राथमिक विद्यालय के समारोह में छात्र/छात्राओं को वितरित सामग्री*

राजकीय माध्यमिक विद्यालय धवर्रा में सामग्री वितरण समारोह

छात्रों के साथ न्यास के कार्यकर्ता एवं शिक्षक

शिक्षकों व छात्रों के साथ सामग्री वितरण

**कार्यक्रम : विद्युत् सबस्टेशन का भूमि-पूजन, ग्रामीण हितग्राहियों का सम्मेलन एवं अंत्योदय मेला**

**दिनांक 27.09.2017 ( गुरुवार )**

**कार्यक्रम स्थल : राजकीय माध्यमिक विद्यालय का मैदान, धवर्रा ( नौगाँव ), जिला महोबा ( उ.प्र. )**

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की पहल पर उ.प्र. के दूरस्थ 25 गाँवों में विद्युत् समस्या के समाधान हेतु 33/11 के.वी. का विद्युत् सब स्टेशन स्वीकृत कराया गया। ऊर्जा मंत्री श्री श्रीकांत शर्मा के विशेष अनुदान पर इस क्षेत्र को 5.36 करोड़ रुपए की राशि से यह पावर हाउस क्षेत्र की जनता को पावर प्रदान करेगा। महोबा जिला के प्रभारी मंत्री श्री दारा सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें अंत्योदय मेला में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी, यथा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पान अनुसंथान केंद्र, कृषि सिंचाई योजना, सौर ऊर्जा, गमले में गृहवाटिका, कृषि विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन (स्वच्छ भारत अभियान), आँगनवाड़ी के अधिकारियों ने ग्रामीण जनता की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी व सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में श्री ब्रजभूषण शरण राजपूत (विधायक चरखारी), श्री राकेश गोस्वामी (विधायक-महोबा), श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक (विधायक-बिजावर), श्री आर.डी. प्रजापति (विधायक-चंदला), जिलाधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री एन. कोलांची, सुलभ सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन के श्री अनिल कुमार झा (भोपाल) सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी, नागरिकगण व खमा न्याय पंचायत के लाभार्थी व जनता उपस्थित रही। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री दारा सिंह ने ऋणग्रस्त किसानों को निर्मोचन प्रमाण-पत्र वितरित किए। किसानों को जैविक खेती के लिए बढ़ावा देने हेतु बीज की किट, फलदार पौधों का वृक्षारोपण, अन्य आवश्यक जानकारी, दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, छड़ी, व्हील चेयर व अन्य सामग्री वितरित की गई।

उद्घाटन के अवसर पर मंत्री श्री दारा सिंह ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस गाँव का विकास कार्य डॉ. राकेश मिश्र

के कारण हो पा रहा है। अब विद्युत् सब स्टेशन बनने से धवर्रा गाँव को भी लखनऊ शहर की तरह 24 घंटे बिजली मिल सकेगी। यह सब मोदीजी एवं योगीजी के कारण संभव हो सका है।

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों के लिए न्यास द्वारा भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई।

*उद्घाटन समारोह में मंचासीन अतिथि गण*

*इज्जत घर का शिलान्यास करते मान. मंत्रीजी एवं विधायक गण*

*राजकीय माध्यमिक विद्यालय में वृक्षारोपण करते श्री दारा सिंह (वन एवं पर्यावरण मंत्री), विधायक गण एवं न्यास के कार्यकर्ता गण*

महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण करते अतिथि

उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवरगण एवं जनसमूह

अतिथियों का स्वागत गान करतीं विद्यालय की छात्राएँ

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. राकेश मिश्र, प्रभारी मंत्री श्री दारा सिंह चौहान

स्मृति-चिह्न प्रदान करते हुए :श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक (विधायक-बिजावर),
श्री गुड्डू राजपूत (विधायक-चरखारी)

अंत्योदय मेला में दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल वितरित करते श्री दारा सिंह चौहान,
श्री राकेश गोस्वामी (विधायक-महोबा),
श्री गुड्डू सिंह (विधायक-चरखारी), डॉ. राकेश मिश्र

*मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथजी द्वारा किसानों की ऋण माफी के*
*निर्मोचन-पत्र वितरित करते मान्यवर अतिथि वृंद*

*बीज व खाद की किट वितरित करते हुए प्रभारी मंत्री, विधायक व जिलाधिकारी*

*सुलभ सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन मध्य प्रदेश के प्रमुख श्री अनिल कुमार झा*
*मंत्रीजी एवं विधायकजी का स्वागत करते हुए*

## कार्यक्रम : सुलभ जन सुविधा केंद्र का भूमि-पूजन, भजन तथा सामग्री वितरण

**दिनांक : 27.09.2017 ( गुरुवार )**

**कार्यक्रम स्थल : 'नीलकंठ धाम' के निकट, ग्राम धवर्रा ( नौगाँव ), जिला-महोबा ( उ.प्र. )**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के स्वच्छता अभियान से प्रेरित होकर हर घर में शौचालय बने, इसलिए ग्राम-धवर्रा में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन द्वारा 12 सीटों के अत्याधुनिक शौचालय का निर्माण किया जाएगा। इसका भूमि-पूजन उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री दारा सिंह चौहान एवं डॉ. राकेश मिश्र के कर-कमलों से किया गया। यह सुलभ कॉम्प्लेक्स ( इज्जतघर ) नाम से 40 लाख रुपए की लागत से छह माह में निर्मित होकर ग्रामवासियों के लिए उपलब्ध होगा।

*प्रस्तावित सुलभ जन सुविधा केंद्र*

*सुलभ जन सुविधा केंद्र का भूमि-पूजन करते श्री दारा सिंह चौहान (प्रभारी मंत्री), विधायकगण, सुलभ के अधिकारी श्री अनिल झा व न्यास के पदाधिकारी डॉ. राकेश मिश्र*

**कार्यक्रम : नि:शुल्क नेत्र एवं कान परीक्षण शिविर**
**दिनांक : 21.10.2017 ( शनिवार )**
**कार्यक्रम स्थल : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धवर्रा ( नौगाँव ), जिला-महोबा ( उ.प्र. )**

न्यास के प्रेरणास्रोत पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल नेत्र एवं कान परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। तारा संस्थान (उदयपुर) एल्पस इंटरनेशनल प्रा. लि. के सान्निध्य में 1080 मरीजों को चश्मे एवं दवाई वितरित की गई। मरीजों को ऑपरेशन हेतु उदयपुर के लिए रैफर किया गया। जिसका समस्त व्यय न्यास एवं तारा संस्थान देगा। कान की मशीनों के नि:शुल्क वितरण से मरीजों के जीवन में नई चमक आ गई। शिविर में आए सभी मरीजों को दद्दाजी की स्मृति में एक मिष्ठान भरा स्टील का बड़ा टिफिन उपहारस्वरूप दिया गया। शिविर का समापन मध्य प्रदेश सरकार की मंत्री श्रीमती ललिता यादव व विधायक श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक के आतिथ्य में एवं श्री सत्यभूषण जैन, कार्यकारी अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के सान्निध्य में संपन्न हुआ। न्यास के कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र व स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। इस शिविर में 40 से अधिक गाँव के मरीजों ने उपस्थिति दर्ज कराकर लाभ लिया।

*उद्‌घाटन समारोह को संबोधित करते डॉ. राकेश मिश्र (अध्यक्ष, न्यास), श्री सत्यभूषण जैन (अंतरराष्ट्रीय वैश्य फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष), श्री अनूप नारंग (एल्पस इंटरनेशनल प्रा. लि. के चेयरमैन) व समाजसेवी श्रीमती क्षमा अग्रवाल*

*शिविर में परीक्षण करते दिल्ली से पधारे चिकित्सकगण*

*शिविर में आँखों की जाँच कराते मरीज*

*शिविर–समापन करतीं श्रीमती ललिता यादव (मंत्री म.प्र. शासन), श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक (विधायक), श्री सत्यभूषण जैन (दिल्ली), श्री पुष्पेंद्र सिंह (जिलाध्यक्ष, भाजपा, छतरपुर)*

*समारोह में उपस्थित चश्मा व कान की मशीनों के लाभार्थी*

प्रथम पुण्य तिथि पर

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

के तत्वावधान में

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन

तारा संस्थान, उदयपुर (राज.) तथा एल्पस इंटरनेशनल प्रा. लि.

द्वारा आयोजित

निःशुल्क नेत्र एवं कान परीक्षण शिविर

शनिवार, 21 अक्तूबर, 2017

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धवर्रा (नौगाँव), जिला-महोबा (उ.प्र.)

को सफल बनाने में अपूर्व उत्साह के साथ अपना योगदान देने वाले कर्मठ कार्यकर्ता

को सम्मानस्वरूप यह प्रशस्ति-पत्र प्रदत्त।

(श्रीमती आशा रावत) सचिव

(डॉ. राकेश मिश्र) अध्यक्ष

*कार्यकर्ताओं को प्रदत्त प्रमाण–पत्र एवं स्मृति–चिह्न*

**कार्यक्रम : निःशुल्क वस्त्र एवं सामग्री वितरण समारोह**
**दिनांकः 22.10.2017 ( शुक्रवार )**
**कार्यक्रम स्थल : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धवर्रा ( नौगाँव )**
**जिला-महोबा ( उ.प्र. )**

आज भी गाँवों में बड़ी संख्या में सर्दी में वस्त्रों की कमी रहती है। इसलिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा ग्राम-धवर्रा में चयन करके 200 परिवार चिह्नित किए गए, जिनको फोम का गद्दा, चादर, तकिया, छाता, चप्पल, साड़ी एवं कलेंडरों का वितरण किया गया। गाँव के लोगों को यह सामग्री बहुत उपयोगी लगी। बुंदेलखंड क्षेत्र में अल्प वर्षा के कारण सूखे की स्थिति है। जनता की परेशानी को देखते हुए न्यास ने यह सामग्री वितरण का कार्य किया, जिसमें जनसहयोग से यह कार्य संपन्न हुआ। कई परिवारों ने इस प्रकार के बिस्तरों का उपयोग अपने जीवन में कभी नहीं किया, अतः उन्होंने न्यास के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

*ग्राम-धवर्रा के 200 परिवारों को घर-घर जाकर सामग्री का वितरण करते न्यास के कार्यकर्ता*

**कार्यक्रम : 'स्मृति व्याख्यानमाला'**
**दिनांक : 23.10.2017 ( सोमवार )**
**कार्यक्रम स्थल : 'ऑडिटोरियम हॉल', छतरपुर ( म.प्र. )**

## व्याख्यानमाला का आयोजन

छतरपुर में स्थानीय ऑडिटोरियम में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वावधान में एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। 'तपस्वी जीवन के आधुनिक स्वरूप' विषय पर हुए व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्री शिवराम समदडिया शामिल हुए। उन्होंने स्व. पं. गणेश प्रसाद मिश्र को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि वे पारिवारिक जीवन में रहने के बाद भी सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहे।

उन्होंने गौसेवा के अलावा शिक्षा और आयुर्वेद के क्षेत्र में बहुत कार्य किया है। उनके सामाजिक सेवा के दिखाए मार्ग का हम सबको अनुसरण करना चाहिए। गोष्ठी के दौरान बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रियव्रत शुक्ल ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में पं. गणेश प्रसाद मिश्र के नाम से शोधपीठ की स्थापना की जाएगी।

'तपस्वी जीवन का आधुनिक स्वरूप' विषय पर आयोजित गोष्ठी में पं. गणेश प्रसाद मिश्र के जीवन-दर्शन पर उपस्थित अतिथियों ने प्रकाश डाला। अतिथियों ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि दद्‌दाजी संघ के पुराने कार्यकर्ता रहे,

*मंचासीन अतिथिगण एवं व्याख्यान करते डॉ. राकेश मिश्र*

जिस समय राष्ट्रपिता की हत्या हुई थी उस समय दद्दाजी को जेल भेज दिया गया था। समूचे जीवन में वे संघर्ष करते रहे। आपातकाल में अठारह माह भूमिगत कार्य करते रहे। उनके संघर्षों को भी याद किया गया। दद्दाजी के तपस्वी जीवन से आधुनिक कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेकर ग्राम विकास, गौ सेवा, शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में दीन–दुखियों की सहायता करनी चाहिए।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री उमाशंकर पचौरी, अध्यक्षता राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. राकेश मिश्र, विशिष्ट अतिथि विभाग संघचालक भालचंद्र नातू, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रतिनिधि के अलावा न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत उपस्थित रहीं।

*व्याख्यानमाला में मंचासीन अतिथि श्री शिवराम समदडिया (क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), श्री उमाशंकर पचौरी (संयुक्त महामंत्री भारतीय शिक्षण मंडल ग्वालियर), डॉ. राकेश मिश्र (अध्यक्ष, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास), श्री भालचंद्र नातू (विभाग संघचालक, रा. स्वयंसेवक संघ)*

*उपस्थित प्राध्यापक, शिक्षक, छात्र व आमंत्रित महानुभाव*

**कार्यक्रम : श्रीमद्भागवत-कथा आयोजन एवं भंडारा**
**दिनांक 9 जनवरी, 2018 से 15 जनवरी, 2018 तक**
**कार्यक्रम स्थल : पुल नं. 1 पार करके,**
**थाना खाक चौक से लोअर मार्ग, संगम, इलाहाबाद ( उ.प्र. )**

माघ मेला प्रयागराज में आयोजित एक माह के कल्पवास में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा शिविर आयोजित किया गया। इलाहाबाद माघ मेला में 200×160=32000 वर्ग फुट जमीन पर पूरा नगर बसाया है, जिसमें 300 लोगों ने एक माह तक निवास किया। यात्रियों के भोजन, आवास व भागवत-कथा का आयोजन शंकर्षणाचार्यजी महाराज ने किया। पूज्य राकेशजी महाराज द्वारा 9 से 15 जनवरी तक भागवत कथा का वाचन किया गया। इसमें प्रतिदिन चाय, नाश्ता, भोजन-भंडारे का इंतजाम किया गया। तीर्थ-यात्रियों हेतु प्रतिदिन मध्याह्न दो से छह बजे तक श्रीमद्भागवत-कथा का आयोजन किया गया। प्रतिदिन भंडारे का आयोजन हुआ।

*व्यास पीठाचार्य श्री राकेश महाराज का स्वागत करते न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र*

*संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा वेदपाठ व न्यास द्वारा बच्चों का सम्मान किया गया*

श्रीमद्भागवत कथा का
रसास्वादन करते
कल्पवासी श्रद्धालु

श्री शंकर्षणाचार्यजी
महाराज (भीमकुंड) एवं
न्यास के पदाधिकारी
व परिवारीजन

भंडारे में प्रसाद ग्रहण
करते महानुभाव
एवं कल्पवासी

भंडारे का आयोजन
पूरे माघ माह चला

**कार्यक्रम : श्रीराम कथा आयोजन, भंडारा एवं वस्त्र वितरण**
**दिनांक 16 से 23 जनवरी, 2018 तक**
**कार्यक्रम स्थल : पुल नं. 1 पार करके,**
**थाना खाक चौक से लोअर मार्ग, संगम, इलाहाबाद ( उ.प्र. )**

श्री स्वामी हरिहरानंदजी महाराज (प्रयाग) के सान्निध्य में सात दिन की श्रीराम-कथा का आयोजन संगम-तट पर आयोजित किया गया। 16 से 23 जनवरी तक प्रतिदिन एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मध्याह्न 2 से 6 बजे तक श्रीराम-कथा का रसास्वादन किया। इस अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा प्रतिदिन भंडारा, वस्त्र एवं कंबल वितरण का कार्यक्रम चलता रहा।

*श्रीराम कथा में संबोधित करते डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, व स्वामी हरिहरानंदजी (प्रयाग)*

*माघ मेला प्रयाग में न्यास द्वारा कंबल एवं वस्त्र-वितरण*

*पूज्य दद्दाजी का संस्कृति उत्थान हेतु संस्कृत की अनिवार्यता व संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु सदैव प्रयास का एक भाग*

*वेद पाठशाला के विद्यार्थियों को वस्त्रादि भेंट कर प्रोत्साहित करते न्यासीगण*

*भंडारे का विहंगम दृश्य*

**कार्यक्रम : निःशुल्क नेत्र एवं कान परीक्षण शिविर**
**दिनांक 21 जनवरी, 2018 ( रविवार )**
**कार्यक्रम स्थल : पुल नं. 1, पार करके थाना खाक चौक से लोअर मार्ग संगम, इलाहाबाद ( उ.प्र. )**

माघ मेला तीर्थराज प्रयाग में परिवार के साथ संगम में स्नान, यज्ञ-हवन करके नेत्र शिविर में चश्मा, दवाई व कान की मशीनों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न अखाड़ों के पूज्य संत गणों ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मेले में भंडारे तो बहुत होते हैं, किंतु भागवत-कथा व श्रीराम-कथा के आयोजन के साथ मनुष्य की आँखों व कानों की श्रवणशक्ति वापस दिलाने का यह कार्य करना गणेश प्रसाद, शांति मिश्रा के पुत्र-पुत्रियों द्वारा सच्ची सेवा है। पूज्य संत श्री उमाशंकर महाराज ने कहा कि मिश्र परिवार से यह सीख हमें लेनी चाहिए और ऐसे शिविर आयोजित कर पीड़ित मानवता की सेवा करनी चाहिए। इस अवसर पर चायल विधायक श्री संजय गुप्ता, विधायक श्रीमती नीलम करवरिया, श्री हर्षवर्धन वाजपेयी, श्री अजय भारती (विधायक), श्री लालबहादुरजी (विधायक), श्री दीपक पटेल (पूर्व विधायक), श्री डोमेश्वर साहू (संगठन मंत्री विद्या भारती), मेलाधिकारी श्री राजीव राय, श्री रमाकांत पांडेय, अलखनंदा गुप्ता (चेयरमैन चाकघाट) सहित हाईकोर्ट के अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता व गण्यमान्य जन सपरिवार पधारे।

दिल्ली, रीवा, सतना, कटनी, पन्ना, छतरपुर, सागर, दमोह, नौगाँव, वाराणसी, इलाहाबाद, भदोही, बस्ती से बड़ी संख्या में गण्यमान्य नागरिकों ने संगीतमय राम-कथा का आनंद लिया। इस माघ मेले में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित कल्पवासी पंडाल में तारा नेत्र संस्थान एवं एल्प्स इंटरनेशनल प्रा.लि. के सहयोग से मरीजों की स्वास्थ्य जाँच की गई और दवाई के साथ चश्मा एवं कान की मशीनें दी गईं। कार्यक्रम उपरांत श्रद्धालुओं को कंबल-शॉल व पगड़ी पहनाई गई। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने आभार प्रकट कर श्री शंकर्षणाचार्यजी व स्वामी श्री हरिहरानंदजी का विशिष्ट आभार प्रकट किया। इलाहाबाद के जिलाधिकारी सुहास एल.वाई., संभाग आयुक्त श्री आशीष गोयलजी एवं मेलाधिकारी श्री राजीव राय सपत्नीक कथा में पधारे। मेला परिवार में 300 कल्पवासी परिवारों ने एक माह निवास करके पुण्य लाभ अर्जित किया। इस आयोजन में न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मरीजों के साथ स्वामी शंकर्षणाचार्यजी, डॉ. राकेश मिश्र, पूज्य श्री उमाशंकर महाराजजी,
श्री अनूप नारंग (एल्प्स इंटरनेशनल, दिल्ली के चेयरमैन)

पंजीयन कराकर चश्मा व दवाई प्राप्त करते मरीज

कान की जाँच कराने के लिए पंक्तिबद्ध ग्रामीण जन

*भंडारे का आनंद लेते कल्पवासी*

*विधायक श्री संजय गुप्ता, श्रीमती नीलम करवरिया*

*श्रीराम कथा का रसास्वादन करते श्रद्धालु*

*साधुओं को श्रवण यंत्र वितरित करते माघ मेलाधिकारी श्री राजीव राय*

◎ **साहित्य प्रकाशन :** पं. गणेश प्रसाद मिश्र के न्यासी गण द्वारा **'गणेश प्रसादम्'** शीर्षक की पुस्तक में हिंदूधर्म की कुछ प्रमुख जानकारियाँ, व्रत तथा पर्व, सुंदरकांड, आरती, भजन एवं श्लोक अर्थ सहित प्रकाशित किए गए हैं। **'शांति प्रवाह'** शीर्षक पुस्तक में नवदुर्गा एवं एकादशी माहात्म्य, श्रीराम रक्षा स्तोत्रम् एवं आरती-संग्रह का दुर्लभ संकलन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में किया गया। इन पुस्तकों की हर घर में पूजा-स्थल तक पहुँच हो गई है। विदेशों में रह रहे सनातनी हिंदू परिवार इसका निरंतर उपयोग करके धार्मिक लाभ लेकर संस्कृति रक्षण के यज्ञ में लगे हैं। यह न्यास के लिए आनंद की अनुभूति है।

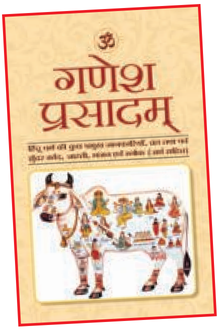


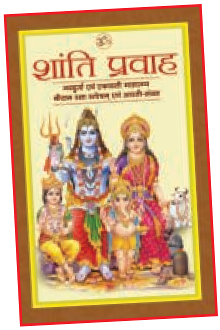


◎ **शिक्षा के क्षेत्र में :** मध्य प्रदेश में नौगाँव के निकट मानपुरा ग्राम में छात्र/छात्राओं को हाई स्कूल तक का विद्यालय उपलब्ध हो, इसलिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा श्री दिव्यांशु मिश्र पुत्र डॉ. (श्रीमती) रचना मिश्रा ने अपनी एक एकड़ जमीन सरकार को दान-पत्र के माध्यम से म.प्र. शासन को हस्तांतरित की। म.प्र. के स्कूल शिक्षामंत्री कुँवर विजय शाह ने विद्यालय उन्नयन की घोषणा करते हुए कहा कि विद्यालय का भवन एवं अन्य संसाधन हेतु दो करोड़ रुपए म.प्र. सरकार उपलब्ध कराएगी।

*स्कूल शिक्षा मंत्री कुँवर विजय शाह ने 4 जून, 2017 को नौगाँव प्रवास पर घोषणा की*

◎ **पुस्तकालय :** नौगाँव नगर में स्थित 'बलभद्र पुस्तकालय' में न्यास के द्वारा पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की स्मृति में एक 'गणेश वीथिका' की स्थापना की गई है, जिसमें देवदुर्लभ पुस्तकों को स्थापित करके दद्दाजी की अध्ययन की अभिरुचि के अनुकूल याद को जीवंत रखा गया है।

*बलभद्र पुस्तकालय में स्थापित पुस्तकों की 'गणेश वीथिका'*

*सन् 1945 में स्थापित बुंदेलखंड का बलभद्र पुस्तकालय*

# महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में शोधपीठ की स्थापना

## पं. गणेश प्रसाद मिश्र शोधपीठ

लोकसंस्कृति के संवाहक व ब्रिटिश काल के दौरान बुंदेलखण्ड में राष्ट्रवाद के प्रणेता पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी का जन्म बुंदेलखण्ड अंचल के ग्राम धवर्रा में 18 जुलाई 1924 को हुआ था। आपका जीवन कठिनाइयों से भरा रहा, मगर राष्ट्रप्रेम की प्रबल भावना के कारण आपने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रूप में सामाजिक जीवन प्रारंभ करते हुये जनजागरण का मार्ग चुनकर आजीवन चलने का संकल्प धारण किया, आप राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रथम पीढ़ी के प्रचारक के रूप में आपने दायित्वों का निर्वहन किया। आप संपूर्ण बुंदेलखण्ड क्षेत्र में पदयात्रा करते हुये नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाते रहे, आपने देशप्रेम, लोककला, ज्ञान परंपरा, ग्राम विकास, नारी शिक्षा जैसे राष्ट्रोन्नति में सहायक विषयों में अतुलनीय योगदान दिया है। आपके सामाजिक कार्य का प्रभाव बुंदेलखण्ड अंचलों के विभिन्न ग्रामों में देखने को मिलता है और पं. मिश्र जी बुंदेलखण्ड अंचल में सस्नेहपूर्वक ''दद्दाजी'' के नाम से सुविख्यात रहे। पं. मिश्र जी 1 नवंबर 2016 को पंचतत्व में विलीन हुये। आपके आदर्श व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिर स्थायी बनाने के उद्देश्य से आपके सामाजिक चिंतन को प्रेरणास्रोत मानते हुये महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र शोधपीठ स्थापित करने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत सामाजिक अध्ययन, परंपरागत ज्ञान, लोककला संवर्धन, कौशल शिक्षा, ग्राम विकास, सामाजिक जागरूकता जैसे आयामों को प्रमुखता के साथ विश्वविद्यालय परिवार संचालित करेगा।

*यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की छठी बैठक दिनांक 1.12.2017 को अनुमोदित होकर म.प्र. शासन एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समक्ष विचाराधीन है*

# आगामी संकल्प

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के कथनानुसार, पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दाजी की इच्छा रहती थी कि सभी स्वस्थ व सुखी रहें। स्वस्थ रहने के लिए योग, प्राणायाम, नियमित दिनचर्या, आहार-विहार आदि आवश्यक हैं। इसलिए गाँव में शुद्ध पेयजल 'नल जल योजना' से घर-घर पानी, खुले में शौच से मुक्ति, वर्षा जल संचय से पानी का स्तर ऊँचा करना, गौशाला का निर्माण, श्मशान गृह, तालाब का सौंदर्यीकरण, बिजली, सड़क, पानी हेतु ट्यूबवैल व नाली का निर्माण यथा शीघ्र कराना।

गाँव विवाद मुक्त बने, इसलिए सामूहिक बैठक, परस्पर संवाद व भजन मंडलियों की स्थापना करना। प्रातःकाल गाँव में भजन मंडली फेरी करके जागरण करे, इस हेतु सुविधा दिलाना। खेल का मैदान, वृक्षारोपण, खेत का पानी खेत में (मेंड़बंदी), कृषिभूमि का मिट्टी परीक्षण (स्वाइल हेल्थ कार्ड), जैविक कृषि को बढ़ावा, किसानों की आय दोगुना करने हेतु व्याख्यान व प्रशिक्षण कार्य करना आगामी योजना का भाग है।

गाँव के मंदिरों व देवालयों का रख-रखाव, कुओं का रख-रखाव व संरक्षण, स्वच्छता के साधन लगाना, आगामी समय में लक्ष्याधारित योजनाएँ लागू करना।

हर घर में बिजली का मुफ्त कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का मकान, उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन हर घर को मिले, इस हेतु न्यास के कार्यकर्ता जुटकर कार्य करेंगे। रोजगारोन्मुखी शिक्षा हेतु कौशल विकास केंद्र स्थापित करना, सोलर ऊर्जा प्रयोग को बढ़ावा देना न्यास के आगामी संकल्प को दर्शाता है।

# बुंदेलखंड में नौगाँव छावनी व धवर्रा का इतिहास

दिसंबर 1841 में जैतपुर (बेलाताल) में महाराज केसरीसिंह के पुत्र महाराज पारीक्षत राज कर रहे थे। एक अंग्रेज अफसर डब्ल्यू.एस. सिलीमेन ने अंग्रेजी सेना लेकर महाराज पारीक्षत पर आक्रमण कर दिया। यह युद्ध पनवाड़ी के पास स्थित बैंदो लुहरगुवाँ के मैदान में हुआ, जिसमें महाराज पारीक्षत विजयी हुए। इसी युद्ध में महाराज पारीक्षत ने कैंथा सदर स्थित सैनिक छावनी को जलाकर नष्ट कर डाला। उनको गिरफ्तार करने के लिए जनवरी 1842 में सिलीमेन के नेतृत्व में ही दो दिशाओं नयागाँव दूल्हाबाबा के मैदान और जैतपुर बेलाताल की ओर से महाराज पारीक्षत पर आक्रमण किया गया, जिसमें वे पराजित होकर जोरन चुरवारी के जंगल में जीवन व्यतीत करते रहे। कुछ समय बाद खेतसिंह कायस्थ द्वारा आत्मसमर्पण कराया गया और उन्हें कानपुर में फाँसी दे दी गई।

इसके बाद अंग्रेजों ने निकटवर्ती 36 देशी रियासतों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए नौगाँव छावनी की स्थापना के लिए छतरपुर राज्य के तत्कालीन राजा प्रताप सिंह से 19,000 रुपए (उन्नीस हजार रुपए) वार्षिक किराए पर कुछ जमीन ली। मिस्टर डब्ल्यू.एस. सिलीमेन ने नौगाँव छावनी में एक ब्रिगेड सेना रखी, जिसका ब्रिगेडियर नौगाँव में रहता था। नौगाँव नगर 1842 से 1861 तक तंबू शामयाना (अस्थायी भवन) में ही रहा। क्योंकि नगर का प्रथम भवन शिलालेख 1861 का ही प्राप्त हुआ है, जो वर्तमान में मलेरिया ऑफिस के सामने बँगला नं. 45 में तीन फुट ऊँचे खंभे में आज भी देखा जा सकता है। शिलालेख का चित्र धूप घड़ी व सन् 1861 नौगाँव सेंटर इंडिया के लेख के साथ संलग्न है।

नौगाँव छावनी की सेना के सैनिकों की सुख-सुविधाओं में सहायक व्यवसायियों एवं सेवकों को बसाने के लिए अंग्रेजों को भूमि कम पड़ने लगी। अत: पुन: कुछ भूमि 1869 में छतरपुर राज्य से 3249 रुपए 10 आने तीन पाई वार्षिक किराए पर ले ली गई। इसके बाद अतिरिक्त भूमि श्री माधव प्रसाद दीक्षित माफीदार बिलहरी से भी 1845, 1869 व 1874 में छावनी से लगी ग्राम पिपरी का कुछ भाग ले लिया गया। इसमें 36 स्टेटों के राजदूत रहा करते थे।

जैसे सरीला हाउस, समथर हाउस, चरखारी हाउस, टीकमगढ़ हाउस आदि।

दीक्षित परिवार को यह जागीर पन्ना राजा बखतसिंह ने दी थी। उस समय इसमें 13 गाँव थे, किंतु बाद में घटकर बिलहरी, चंदौरा और चौबारा तीन गाँव ही रह गए। नौगाँव नगर के विशिष्ट नियोजन से नगर में 126 चौराहे चार चाँद लगाते आ रहे हैं। नौगाँव नगर को चंडीगढ़ का लघु स्वरूप कहा जाता है। उस समय नौगाँव नगर में एक ब्रिगेड फौज व 36 रियासतों पर नियंत्रण करने के लिए एक पॉलीटिकल एजेंट रहा करता था, जिसका निवास-स्थान बँगला नं. 34 (वर्तमान में नेशनल हाईवे ऑफिस है) था। इस बँगले में एक स्वीमिंग पूल भी है, जो आज भी देखने योग्य है।

10 जून, 1857 को स्वदेशी सेनाओं के साथ सर ह्यूरोज सागर से झाँसी यहीं से होकर गया। 1914 से 1919 तक प्रथम विश्वयुद्ध में टर्की के युद्धवादियों को करिया पठवा एरोड्रम के पीछे से लेकर नदी के किनारे पिपरी तक अस्थायी जेल बनाकर रखा गया। सन् 1935 में नौगाँव छावनी में नगर पालिका गठित की गई तथा प्रथम अध्यक्ष श्री बलभद्रदासजी मेहरोत्रा नियुक्त किए गए। यह नगर छतरपुर दरबार के नियंत्रण में दे दिया गया। 1930 में किचनर कॉलेज की स्थापना हुई और लॉर्ड किचनर की यह प्रतिमा लगभग 1972 तक आर्मी कॉलेज के मुख्य द्वार के सामने स्थित चौराहे पर स्थापित रही। इसके बाद यह प्रतिमा धुबेला म्यूजियम के आँगन में स्थापित कर दी गई। कालांतर में यह प्रतिमा पूना स्थित सेना मुख्यालय में चली गई। उपरोक्त अनावरण में जो 1939 में हुआ, के पश्चात् तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इर्विन लेडी के साथ नौगाँव आए। दूसरे विश्वयुद्ध के पश्चात् (1940-1945) के बाद लॉर्ड किचनर कॉलेज स्थान पर किंग चर्च स्कूल आ गया। इसकी जगह आर्मी कॉलेज ने ले ली और वह कुछ समय पश्चात् पूना चला गया। इसके बाद इंडियन तिब्बत बॉर्डर पुलिस वायरलैस ट्रेनिंग सेंटर एस.एस.बी. सिग्नल कोर आर्टिलरी यूनिट यहाँ रहे। वर्तमान में प्रतिरक्षा विभाग के इन भवनों में आई.टी. क्षेत्र की संचार सेवा की सेना रहती है।

पॉलिटिकल एजेंट के कार्यालय बँगला नं. 43 में वर्तमान में मलेरिया ऑफिस व फिशरीज ऑफिस है। इस बँगले की मुँड़ेर की अधिकतम ऊँचाई 30 फीट है। इस ऊँचाई पर चढ़ने के लिए फ्लैगमैन द्वारा यूनियन जैक को प्रतिदिन चढ़ाने व उतारने के लिए स्थायी सीढ़ियों की व्यवस्था की गई थी, जो आज भी

देखी जा सकती है। इस प्रकार नौगाँव में कुल 70 बँगले 36 राजाओं के राजभवन (स्टेट हाउस) आज भी हैं।

15 अगस्त, 1947 को देश आजाद हुआ, उसी दिन से पॉलीटिकल एजेंट का पद समाप्त कर दिया गया। भारत सरकार ने उसके स्थान पर क्षेत्रीय आयुक्त की नियुक्ति की। 15 अगस्त, 1947 से अप्रैल 1948 तक नौगाँव को यूनियन स्टेट ऑफ बुंदेलखंड की राजधानी बनाया गया। बुंदेलखंड राज्य के प्रधानमंत्री (पूर्व में यही नाम था) चरखारी निवासी श्री कामता प्रसाद सक्सेना बनाए गए। बुंदेलखंड राज्य का सचिवालय वर्तमान नवीन हाई स्कूल में लगता था। 1 नवंबर, 1948 में बुंदेलखंड एवं बघेलखंड को मिलाकर विंध्य प्रदेश के दो संभाग बनाए गए—एक रीवा और दूसरा नौगाँव। नौगाँव संभाग का मुख्यालय नौगाँव रखा गया। यहाँ एक आयुक्त कार्यालय स्थापित किया गया। नौगाँव कमिश्नरी में छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना व दतिया जिले सम्मिलित किए गए। नौगाँव में संभागीय स्तर के कार्यालय तथा हाईकोर्ट की बेंच ज्यूडीशियल कमिश्नरी रखी गई थी। इसके अतिरिक्त जिला स्तर के कुछ कार्यालय यहाँ पर थे।

## नौगाँव नगर के महत्त्वपूर्ण भवन एवं पुल के निर्माण वर्ष

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मलेरिया, पी.डब्ल्यू.डी. एवं फिशरीज ऑफिस | 1861 |
| 2. | बड़ा पुल धवर्रा मंदिर-कॉक्स डिस्टलरी रोड | 1876 |
| 3. | भडार पुल | 1889 |
| 4. | इंग्लिश चर्च | 1889 |
| 5. | सर्किट हाउस | 1905 |
| 6. | सिटी चर्च | 1905 |
| 7. | कॉक्स डिस्टलरी | 1914 |
| 8. | गोविंद आश्रम (बगीचा) | 1921 |
| 9. | प्रसूति गृह (महारानी अजयगढ़ द्वारा निर्मित) | 1931 |
| 10. | जगपिन ब्रेबरी (वियर प्लांट) | 1999 |

1 नवंबर, 1956 का दिन नौगाँव के लिए काली छाया लेकर आया। पुराना मध्य प्रदेश, भोपाल राज्य, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश, महाकौशल तथा राजस्थान का सिरोंज डिवीजन मिलाकर मध्य प्रदेश का गठन किया गया। इस

विशाल प्रदेश में नौगाँव के संबंध में सोचने वाला कोई नहीं था, क्योंकि विंध्य प्रदेश की राजधानी रीवा से भोपाल व कमिश्नरी नौगाँव से रीवा चली गई और छतरपुर जिला पहले से ही था। 1 नवंबर, 1956 को नौगाँव उप तहसील ही रह गया। जिलास्तरीय कार्यालय एक-एक करके छतरपुर की ओर स्थानांतरित होने लगे। मार्च 1980 में लोक निर्माण विभाग (ई.ई.) छतरपुर चला गया। उस समय विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष मुकुंद सखाराम नेवालकर थे। उनके कार्यकाल में मछली विभाग भी छतरपुर चला गया। श्री यादवेंद्र सिंह उर्फ लल्लू राजा (भँवर राजा के पिता) के कार्यकाल में प्रधान डाकघर विभाग छतरपुर चला गया। उनके पुत्र मानवेंद्र सिंह (भँवर राजा) के कार्यकाल में मलेरिया दफ्तर टीकमगढ़ छतरपुर पन्ना चला गया। विधायक जीतेंद्र सिंह बुंदेला के कार्यकाल में कृषि विज्ञान केंद्र एवं पान अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई व न्यायालीन क्षेत्र में जिला स्तर के चार न्यायाधीश नौगाँव अदालत में पदस्थ किए गए। वर्तमान विधायक भँवर राजा के कार्यकाल में नौगाँव नगर पूर्ण कृषि उपज मंडी की समिति का मुख्यालय हुआ। वर्तमान में श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक एवं डॉ. राकेश मिश्र के सतत प्रयत्नों से बापू महाविद्यालय, शासकीय महाविद्यालय बन गया है एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज इंजीनियरिंग कॉलेज हो गया है। यह बदलते समय की प्रगति को दर्शाता है।

*—नौगाँव नगर की स्थापना के 172वें वर्ष (11 जनवरी, 2015) पर आयोजित प्रथम समारोह में **पं. गणेश प्रसाद मिश्र** की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर संकलित सामग्री*

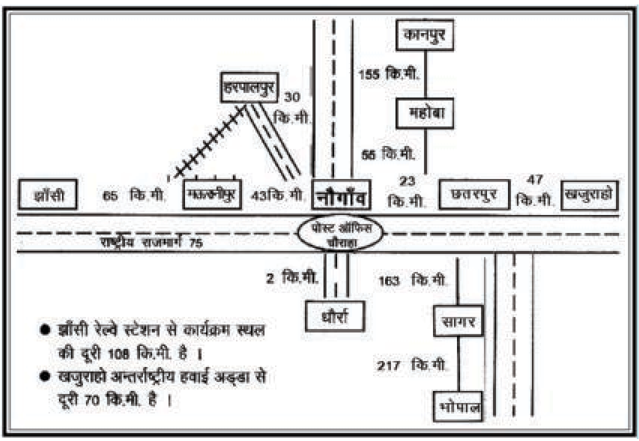

# बुंदेलखंड की रियासतें एवं नौगाँव

प्राकृतिक दृष्टि से बुंदेलखंड भले ही एक रहा है, किंतु राजनैतिक दृष्टि से इसके स्वरूप और आकार में परिवर्तन होते रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यहाँ की राजसत्ता में परिवर्तन होते रहना है। विदेशी शासकों के भारत में प्रवेश करने के पश्चात् तो बुंदेलखंड कभी एक न हो सका। चाहे मुगलों की सत्ता रही हो अथवा अंग्रेजों की, बुंदेलखंड को सर्वदा छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया गया, ताकि बुंदेलखंडी वीर कभी एक न हो सकें। अंग्रेज शासकों की लड़ाइयाँ और राजकरों की कूटनीति तो सर्वविदित थी। इसी नीति के अंतर्गत अंग्रेजों के शासनकाल में समूचा बुंदेलखंड 36 रियासतों में विभाजित रहा। इसमें ओरछा, पन्ना, चरखारी, छतरपुर और दतिया को छोड़कर शेष सभी रियासतें बहुत छोटी-छोटी थीं। इस कारण इन पर नियंत्रण रखने में अंग्रेजों को कभी कोई कठिनाई नहीं हुई।

ब्रिटिश हुकूमत ने बुंदेलखंड की इन 36 रियासतों के राजाओं पर नियंत्रण रखने की दृष्टि से वायसराय के सहायक रूप में एक ए.जी.जी. का पद निर्मित किया, जिसका प्रधान कार्यालय बुंदेलखंड के मध्य स्थित नौगाँव में था। सभी रियासतों के राजागण समय-समय पर नौगाँव आकर ए.जी.जी. को सलाम कर आवश्यक निर्देश प्राप्त करते थे।

सभी को ज्ञात है कि चतुर-चालाक अंग्रेज शासक भारत को आजादी देने के साथ ही छोटी-बड़ी रियासतों को भी स्वतंत्र घोषित कर गए थे। इन्हें स्वतंत्र भारत के अधीन रखना बड़ी टेढ़ी खीर थी, जिसे तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने बुद्धि-कौशल से एक कर दिखाया था। बुंदेलखंड की इन 36 रियासतों का नव निर्मित विंध्य प्रदेश नामक राज्य में विलीनीकरण भी इसी प्रकार संभव हुआ। विलीनीकरण के पूर्व इन रियासतों की क्या स्थिति थी, इसका अवलोकन एक दृष्टि में—

## विंध्य प्रदेश में विलीन बुंदेलखंड की रियासतों का विवरण

| क्र. | राज्य का नाम | क्षेत्रफल व.मी. | वार्षिक आमदनी | अंतिम प्रशासक का नाम | विलीनीकरण का दिनांक | जनसंख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | पन्ना | 2,496 | 85,600 | महाराज यादवेंद्र सिंह जूदेव | 25.04.1948 | 2,31,170 |
| 2 | अजयगढ़ | 802 | 3,48,000 | देवेंद्र विजय सिंह जूदेव | 29.04.1948 | 96,596 |
| 3 | सरीला | 35 | 92,000 | राजा महिपाल सिंह | 25.04.1948 | 7,250 |
| 4 | चरखारी | 880 | 92,000 | राजा जैनेंद्र सिंह | 29.04.1948 | 1,23,594 |
| 5 | विजावर | 980 | 3,31,000 | राजा गोविंद सिंह | 29.04.1948 | 1,20,990 |
| 6 | छतरपुर | 1130 | 75,50,000 | सर विश्वनाथ सिंह बहादुर | 19.04.1948 | 1,84,724 |
| 7 | लुगासी | 45 | 32,000 | दीवान भूपाल सिंह | 30.04.1948 | 7,747 |
| 8 | गर्रोली | 39 | 36,000 | जागीरदार रघुराज सिंह | 30.04.1948 | 4,964 |
| 9 | अलीपुरा | 72 | 9,000 | जागीरदार रघुराज सिंह | 30.04.1948 | 15,316 |
| 10 | नैगुवा रिवई | 12 | 17,000 | जागीरदार रतन सिंह जूदेव | 17.04.1948 | 2,352 |
| 11 | वीहर कौहनिया | 16 | 2,70,000 | वीरसिंह | 21.04.1948 | 4,564 |
| 12 | खनियाधाना | 101 | अप्राप्त | देवेंद्र प्रताप सिंह | 28.04.1948 | 36,124 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 13 | दतिया | 846 | 13,83,000 | गोविंद सिंह | 28.04.1948 | 1,74,072 |
| 14 | समथर | 181 | 35,000 | राधाचरण सिंह जूदेव | 21.04.1948 | 58,279 |
| 15 | कदौरा बावनी | 122 | 1,50,000 | नवाब मुश्ताक उल हसन खाँ | 24.04.1948 | 25,256 |
| 16 | बेरीकपुरा | 32 | 28,000 | राय यादवेंद्र सिंह | 23.04.1948 | 1,564 |
| 17 | जिगनी | 18 | 1,400 | राव भूपेंद्र विजय सिंह | 29.04.1948 | 3,652 |
| 18 | विजना | 8 | 10,000 | दीवान हिम्मत सिंह | 23.04.1948 | 1,564 |
| 19 | दुरबई | 15 | 15,000 | केशवेंद्र सिंह | 23.04.1948 | 2,030 |
| 20 | बंकापहाड़ी | 5 | 6,000 | बल्देव सिंह जूदेव | 22.04.1948 | 1,300 |
| 21 | टोडीफतेहपुर | 36 | 32,000 | दीवान रघुराज सिंह | 22.04.1948 | 5,596 |
| 22 | ओरछा | 2,080 | 1,37,4000 | महाराजा वीरसिंह जूदेव | 22.04.1948 | 2,73,405 |
| 23 | गौरिहार | 71 | 53,000 | प्रताप सिंह जूदेव | 22.04.1948 | 2,73,405 |
| 24 | नागौद | 501 | 2,33,000 | महेंद्र प्रताप सिंह | 22.04.1948 | 87,610 |
| 25 | जसो | 72 | 29,000 | आनंद प्रताप सिंह | 22.04.1948 | 8,626 |
| 26 | सुहावल | 257 | 25,000 | जोगेंद्र बहादुर सिंह | 22.04.1948 | 50,434 |
| 27 | मैहर | 407 | 4,03,000 | ब्रजनाथ सिंह | 22.04.1948 | 74,558 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 28 | कोठी | 369 | 21,420 | कौशलेंद्र प्रताप सिंह | 22.04.1948 | 24,750 |
| 29 | वरोधा | 218 | 8,46,000 | रामप्रताप सिंह | 22.04.1948 | अप्राप्त |
| 30 | पालदेव (नयागाँव) | 53 | 39,000 | चौबे शिव प्रताप सिंह | 22.04.1948 | 9,820 |
| 31 | पहरा (चौबेपुरा) | 27 | 18,000 | चौबे लक्ष्मी प्रसाद | 22.04.1948 | 4,062 |
| 32 | तराओ (तरावन) | 16 | 20,000 | चौबे ललित किशोर | 22.04.1948 | 3,841 |
| 33 | भैंसोदा | 32 | 1,70,000 | चौबे गंगा प्रसाद | 22.04.1948 | 4,146 |
| 34 | कामता रजौल | 1 | 3,80,000 | राजीव नंदन कास्त | 22.04.1948 | 1,411 |

❑

# झलकियाँ

जन कल्याण के कार्यों से पूर्वजों को याद करना ही समाज सेवाः ललिता
पंडित गणेश प्रसाद मिश्रा की पुण्यतिथि पर लोगों को मिली रोशनीः पाठक
विवि में मिश्र के नाम से होगी शोध केंद्र की स्थापना
पुण्यतिथि पर गणेश प्रसाद को ब्राह्मण समाज की श्रद्धांजलि
गणेश प्रसाद मिश्र के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान
दद्दा जी के सामाजिक मार्ग का अनुशरण करने का संकल्प
तपस्वी जीवन के आधुनिक स्वरूप पर हुई गोष्ठी
मिश्र की पुण्यतिथि पर हवन पूजन का आयोजन
परशुराम जयंती की शुरुआत
विश्वविद्यालय में पं. गणेश प्रसाद मिश्र शोध केंद्र की होगी स्थापना

# पहले दिन 341 मरीजों का हुआ परीक्षण

मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों की उपस्थिति में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का हुआ शुभारंभ

भास्कर संवाददाता | नौगांव

मंगलवार स्वास्थ्य शिविर में मरीज का चैकअप करते डाक्टर।

प्रखर ज्ञान

मनुष्य की आँखों व कानों की श्रवण शक्ति वापस दिलाने का कार्य करना ही सच्ची सेवा: उमाशंकर महराज

[redacted] प्रखर ज्ञान [redacted]

# घर बैठे मरीजों को मिला परामर्श, शिविर के लोगों ने की सराहना

पं. गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृति में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

सेवा

2 दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

# मेदान्ता हास्पिटल के डॉक्टरों की टीम देगीं सेवाएं

# तीर्थराज प्रयाग में धार्मिक अनुष्ठान के साथ लगाया नेत्र शिविर

तपस्वी जीवन का आधुनिक स्वरूप विषय पर हुई व्याख्यान माला

हेल्थ चैकअप

नौगांव के सरस्वती स्कूल में पं. गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृति में लगाया गया दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर

# शिविर में 2457 मरीजों का परीक्षण कर जांचें कीं

भास्कर संवाददाता | छतरपुर

# नि:शुल्क हेल्थ शिविर में 1200 मरीजों ने करवाई

एक्सप्रेस

# 1.32 करोड़ से निर्मित सभागार हुआ लोकार्पित

स्कूल निर्माण के लिए राकेश मिश्र ने किया

पं.गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृति में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

## दो दिन में 1217 मरीजों का हुआ चेकअप

### चेकअप के दौरान आया वृद्ध को अटैक, किया झांसी रेफर

...ब्राह्मण समाज ने दी दद्दा जी को 'श्रद्धांजलि'

## सरकार बुंदेलखंड के विकास में नहीं छोड़ेगी कसर: डॉ राकेश

## शिविर में मेदांता से आए डाक्टरों ने किया इला...

मड़ोरा में 21 अक्टूबर को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होने जा रहा...

## मिश्र परिवार दे रहा है समाजसेवा की प्रेरणा

## धौर्रा में 5.36 करोड़ से बनेगा विद्युत सब स्टेशन

प्रखर ज्ञान

## 5 अप्रैल को धौर्रा में होगा विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित

छतरपुर

## बुंदेलखण्ड को हम नम्बर एक पर ले जाने की कोशिश कर रहे : दारा सिंह चौहान

उपचार | सामाजिक कार्यों से पूर्वजों को याद करना ही समाज सेवा: ललिता यादव

## शिविर में 1050 आंख,कान के मरीजों हुआ परीक्षण

500 चश्में और 140 कान की मशीनें वितरित की गईं

पूर्वजों को याद करने के लिए किया आयोजन